

गुरुदेव श्री तुलसी की वार्षिक पुण्यतिथि पर शक्तिपीठ पर श्रद्धा, भक्ति, समर्पण का विहंगम दृश्य सागर सी गहराई और अम्बर सी ऊँचाई का साक्षात् उदाहरण थे गुरुदेव तुलसी : मुनि अमृतकुमार जी

■ निज संवाददाता

बीकानेर, (निसं)। गणाधिपति गुरुदेव तुलसी के 30वें महाप्रयाण दिवस के अवसर पर श्रद्धार्पण समारोह का आयोजन नैतिकता के शक्तिपीठ (आचार्य तुलसी समाधि स्थल) के पावन प्रांगण में मुनिश्री अमृतकुमार जी एवं साध्वीश्री त्रिशलाकुमारी जी के सान्निध्य में आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर आस-पास के विभिन्न क्षेत्रों यथा नोखा, राजेरा, रूणिया बड़ाबास, जोरावरपुरा, रासीसर, श्रीदूंगरगढ़, लूणकरणसर, कालू, पीलीबंगा, हनुमानगढ़ जंक्शन, देशनोक, उदासर, छापर, टोहाना (हरियाणा) एवं देश के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु श्रावक-श्राविका पधारे। अध्यक्ष गणेशमल बोथरा ने बताया कि गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी के 30 वें महाप्रयाण दिवस के अवसर पर आयोजित श्रद्धार्पण कार्यक्रम में बोलते हुए मुनिश्री अमृतकुमार जी ने फरमाया कि विलक्षण व्यक्तित्व के धनी संत तुलसी बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न महापुरुष थे। जितना उनका बाह्य व्यक्तित्व आकर्षक और मन मोहने वाला था, उससे कहीं अधिक उनका आंतरिक व्यक्तित्व हृद्य स्पर्शी और गुण ग्राही था। उनके अवदानों की लम्बी-चौड़ी श्रृंखला है जो सदियों-सदियों तक जन-जन



के लिए उपयोगी रहेगी। शान्तिनिकेतन सेवाकेन्द्र व्यवस्थापिका साध्वीश्री त्रिशलाकुमारी जी ने अपने जीवन निर्माता, दीक्षा प्रदाता गुरुदेव श्री तुलसी के प्रति अपनी भावांजलि प्रकट करते हुए कहा कि सदियों-सदियों में कभी-कभी ऐसे महापुरुष

अवतरित होते हैं, जो अपने मौलिक चिंतन, अथक पुरुषार्थ से मानवता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। कोषाध्यक्ष भैरूदान सेठिया ने बताया कि साध्वीश्री रश्मिप्रभा जी एवं सम्यक यशा जी ने गीतिका के माध्यम से गुरुदेव के प्रति अपनी भावांजलि प्रस्तुत

की अध्यक्ष गणेशमल बोथरा, तेरापंथी सभा, गंगाशहर के मंत्री जतन संचेती, बीकानेर सभा के पूर्व अध्यक्ष सुरपत बोथरा, अणुव्रत समिति, गंगाशहर अध्यक्ष करणीदान रांका, महिला मंडल मंत्री रेखा चौराडिया, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला की कोषाध्यक्ष ममता रांका, टी.पी.एफ अध्यक्ष रतन छल्लाणी, तेरापंथी सभा, भीनासर के मंत्री चैनरूम गोलछा, तेरापंथ अध्यक्ष देवेन्द्र डागा, मोहन भंसाली ने गुरुदेव तुलसी को अपनी भावांजलि अर्पित की। आभार ज्ञापन प्रतिष्ठान के कार्यकारिणी सदस्य मनीष बाफना ने किया एवं कार्यक्रम का कुशल संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष किशनलाल बैद ने किया।

तप-जप स्वाध्याय का लगा ठाठ

संस्थान के मिडिया प्रभारी धर्मेन्द्र डाकलिया ने बताया कि गुरुदेव तुलसी के 30 वें महाप्रयाण दिवस के उपलक्ष में श्रावक समाज में गुरुदेव को सच्ची भावांजलि अर्पित करने हेतु तप-जप और स्वाध्याय का पूरा ठाठ है। सामायिक जप, क्षमा, मौन, तपस्या, एकासन की सतरंगी के साथ-साथ नवकारसी सप्त दिवसीय रात्रि भोजन परिहार आदि का क्रम पूरे जोर पर है। विराजित सभी साधु साध्वीवृंद ने श्रावक समाज को जागरूक करने हेतु अथक परिश्रम किया।